पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने आम प्रदर्शनी का समापन किया

लखनऊः 22 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज पर्यटन भवन में आयोजित दो दिवसीय आम विविधता प्रदर्शनी एवं सुरक्षित आम उत्पादन तथा पकवन हेतु सहभागिता संगोष्ठी के समापन समारोह में कहा कि आम के उत्पादन में नयी संभावनाएं तलाशी जाय जिससे किसानों को ज्यादा से ज्यादा लाभ हो। आम के भण्डारण की व्यवस्था नियोजित ढंग से की जाय। उत्तर प्रदेश में बडे पैमाने पर आम का उत्पादन होता है फिर भी अन्य प्रदेशों के अपेक्षाकृत निर्यात कम है। उन्होंने कहा कि किसान अपने उत्पाद की ब्राडिंग ऐसे ढंग से करें जिससे ग्राहक को लगे कि यही माल लेना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि बाजार में उत्पाद को अधिक लाभ मिलने के लिए उसका गुणवत्तायुक्त होना आवश्यक है। ग्राहकों के स्वाद का ध्यान रखते हुए किसान और विशेषज्ञ वैज्ञानिक ढंग से गुणवत्तायुक्त उत्पाद ग्राहक तक पहुँचाएं। उत्पाद नियोजित ढंग से बाजार में आए तो ज्यादा मुनाफा प्राप्त हो सकता है। ग्रामीण क्षेत्र का विकास किसानों की आय बढ़ने तथा ज्यादा से ज्यादा मुनाफा आने से होगा। गत वर्षो से निर्यात का औसत लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि हमें अपने निर्यात को और बढ़ाने की जरूरत है जिससे लाभ के साथ-साथ उत्तर प्रदेश का नाम भी रोशन हो।

प्रदेश के पर्यटन मंत्री श्री ओम प्रकाश ने कहा कि आम महोत्सव के माध्यम से प्रदेश के पर्यटन विभाग द्वारा आम को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। लखनऊ का मलिहाबाद क्षेत्र आमों के लिए मशहूर है। उन्होंने कहा कि तहजीब के शहर के साथ-साथ लखनऊ आम उत्पादन के लिए भी जाना जाए जिसके लिए प्रयास करने की जरूरत है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर किसानों और बागवानों को स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में विशेषतः श्री छोटेलाल, श्री राजाराम, श्री मोहम्मद आमिर, श्री मोहम्मद रफी, श्री सुरेश चन्द्र शुक्ला सहित अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय उपोषण बागवानी संस्थान द्वारा राज्यपाल को अमरूद के दो पौधें 'धवल' और 'लालमणि' भेंट किया गया।

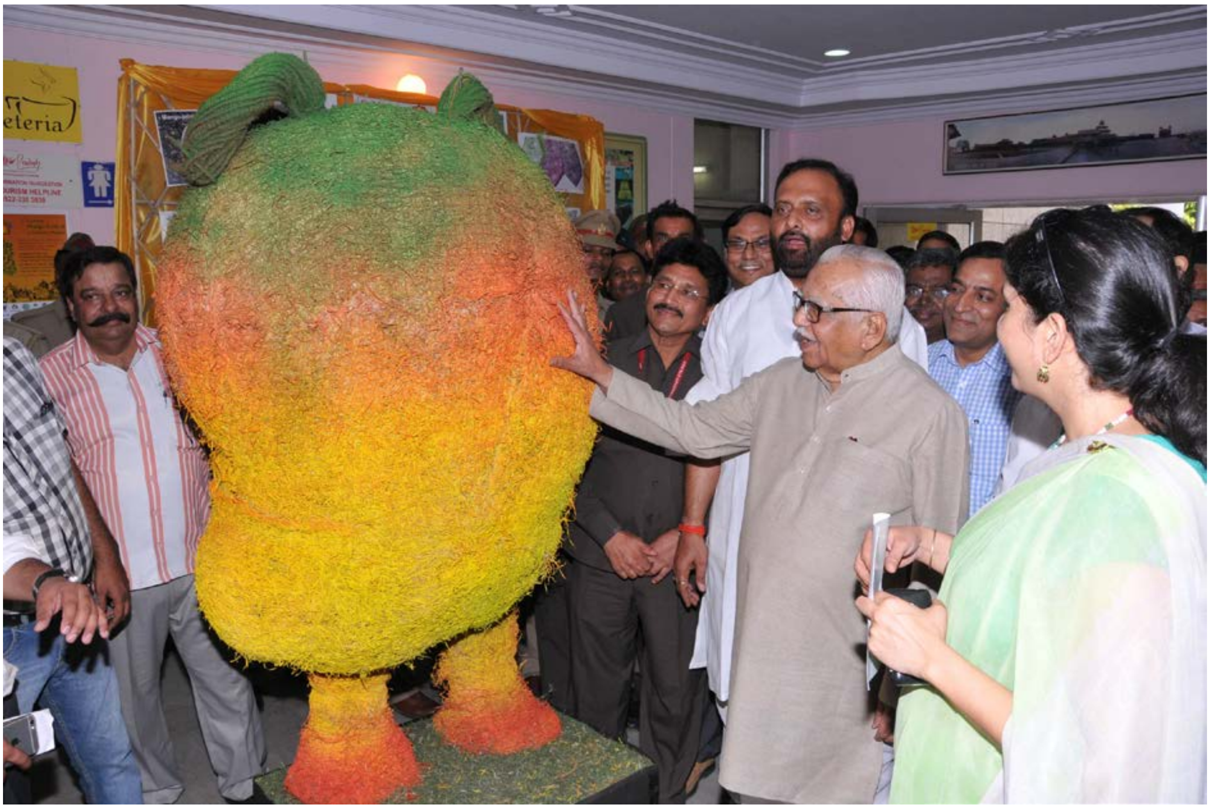

भाकृअनुप
ICAR
SDSH

भाकृअनुप
ICAR
SDSH
आम विविधता प्रदर्शनी
एवं
सुरक्षित आम उत्पादन तथा पक्वन हेतु सहभागिता संगोष्ठी
21-22 जून, 2015
केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ
विकास समिति, लखनऊ
भवन, गोमती नगर, लखनऊ

भाकृअनुप
ICAR
SDSH
आम विविधता प्रदर्शनी
एवं